अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 21.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

प्र. 1 किन्हीं अठारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 18

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दें।)

(क) 'आणा जुतो संघो सेसो पुण अट्ठिसंघाओ' इसका क्या तात्पर्य है?

(ख) कुशल व्यक्ति की क्या पहचान है?

(ग) मुमुक्षा का क्या अर्थ है?

(घ) 'बहुश्रुत पुरुष' किसे कहते हैं?

(ङ) आचार्य तुलसी ने सही अर्थ में संघ किसे माना है?

(च) मनोविज्ञान के तीन लक्ष्य कौन-कौन से हैं?

(छ) 'संघ को माता-पिता के समान पालन और संरक्षण करने वाला' किस ग्रन्थ में बताया गया है?

(ज) चारित्र मोह का क्षयोपशम क्या है?

(झ) आचार्य भिक्षु ने लिखत पत्र को तेरापंथ धर्मसंघ के संविधान का रूप किस प्रकार दिया?

(ञ) साध्वियों के वस्त्र की जांच करवाने के लिए आचार्य भिक्षु ने कौन से मुनि को भेजा?

(ट) गृहस्थ के रात्रि में पानी पीने का त्याग नहीं होता। उन्हें क्या पता प्यास का परीषह कैसा होता है? आचार्य भिक्षु ने यह कथन किसको लक्ष्य बना कर कहा?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दें)

(ठ) विचारों की चिरजीविता का आधार क्या है?

(ड) भिन्न-भिन्न तीर्थंकरों के निरूपण में किन अपेक्षाओं के कारण भिन्नता हो सकती है?

(ढ) वैज्ञानिक सिद्धान्तों की यथार्थता प्रमाण भूत क्यों हैं?

(ण) जैन धर्म का सबसे बड़ा अवदान क्या है?

(त) 'से केणट्ठेणं भंते! एवमुच्चइ?' इसका क्या अर्थ है?

(थ) विचारक हरिभाऊ उपाध्याय ने मोक्ष धर्म को किससे सम्बन्धित बताया?

(द) दान्ते के अनुसार प्रथम लक्ष्य यानि इहलौकिक परिपूर्णता की प्राप्ति के लिए किन शिक्षाओं का पालन करना होगा?

(ध) विचारक जॉनसन के अनुसार समाजीकरण किसे कहते हैं?

(न) आधुनिक वैज्ञानिक शोधों ने मनुष्य की पाश्विक वृत्तियां हटाने के लिए आचार्य भिक्षु के कौन से विचार का समर्थन किया है?

(प) भगवान महावीर ने श्रमण जीवन में कितने अनिवार्य कार्यों का निर्देश दिया है?

(फ) आचार्य भिक्षु ने 'वेशधारी साधु' की किससे तुलना की है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली–21

प्र. 2 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) सिद्ध करें कि गुरु ही शिष्य की चेतना को अन्तर्मुखी बनाते हैं।

(ख) 'अनुशासन है सिद्धियों का द्वार' इस पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 3 तेरापंथ की छठी, सातवीं, आठवीं तथा नौवीं धारा कौन सी है एवं उनका विस्तार से विवेचन करें। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु के अनुशासन में उनकी निष्पक्ष वृत्ति का स्पष्ट दर्शन होता है।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–21

प्र. 4 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) स्याद्वाद के परिपेक्ष में धर्म का विवेचन करें।

(ख) प्रजातांत्रिक अधिनायकवाद पर टिप्पणी लिखें।

प्र. 5 दान और दया का विवेचन करें। 15

अथवा

समाज शास्त्र व धर्म के परस्पर सम्बन्धों का विवेचन करें।

अनुकंपा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 5

(क) जिस अनुकम्पा को करने से साधु को चातुर्मासिक प्रायश्चित्त आता है ऐसा कार्य करने से क्या होता है?

(ख) सच्चा ज्ञानी कौन होता है?

(ग) भगवान महावीर ने शूर-शक्तिशाली किसे कहा है?

(घ) देवता ने अरणक श्रावक को क्या दिया और क्यों दिया?

(ङ) समुद्रपाल को परम वैराग्य कैसे उत्पन्न हुआ?

(च) छह काय के जीवों के साता हुई वह धर्म है ऐसा कहने वालों के किस कर्म का उदय होता है?

(छ) कौन से चार उपकार को महान बताया गया है?

प्र. 7 जिस प्रकार गाय, भैंस, आक और थूहर चारों के दूध, दूध ही कहलाते हैं, मगर सबमें परस्पर अन्तर है उसी प्रकार अनुकम्पा में भी अन्तर है जिसे दो-दो दृष्टान्तों से स्पष्ट करें। 10

अथवा

'छद्मस्थ से चूक हो जाती है' इस कथन को दृष्टान्तों द्वारा स्पष्ट करते हुए बतायें कि क्या षट्कायिक जीवों की रक्षा जीव बचाने से होती है?

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) सात बोलां रो ए विसतार, ओलखीया ते अणगार।
घर मांहें जो सुमता आवे, हुवा न हुवा एको ही चावे।।

(ख) धर्म हुवे तो आघो नहीं काढ़ता, वले वीर नें दुखीया जांण रे।
परीसो देण आवे तेहनें, देव अलगो करता तांण रे।।

(ग) अग्यांनी रो ग्यांनी कीयां थकां, हुवो निश्चे पेला रो उधार हो।
कीयो मिथ्याती रो समकती, तिण उतारीयो भव पार हो।।

(घ) साधु तिरण तारण हुआ एहना, सिध गति में हो मेल्यो अविचल ठांम।
छ काय लारे झिलती रही, नहीं सझीया हो तिणरा आतम कांम।।

भिक्षुवाणी–10

प्र. 9 कोई तीन पद्य लिखें– 10

(क) जेहने जेहवा.....खाय।।

(ख) जीवन-सूत्र

(ग) पुरुषार्थ

(घ) आंबा सू.....तणी ए।।

(ङ) हिंसा-अहिंसा